(1)

Name of the college – APSM College, Barauni, Begusarai
Name – Dr. Bharti Kumari (G.T)
Deptt. — AIHSC
Lesson/plan – BA, AIHSC (H) part – I, paper 9
Date – 19-04-2021
Name of the topic – Results of Invasions of Mahmood Ghazni

महमूद गजनवी के आक्रमणों के परिणाम :—

यद्यपि महमूद की विजयों का कोई स्थायी प्रभाव नहीं पड़ा परन्तु उसके आंक्रमणों से भारत की राजनीतिक तथा सैनिक दुर्बलताओं का पता मुसलमानों को लग गया। वास्तव में उसके आक्रमणों ने उत्तर-पश्चिम मार्ग को खोल दिया और फिर मुसलमानों की स्थायी विजय प्राप्त हुई। महमूद के आक्रमणों के निम्नलिखित परिणाम निकले।

(1) राजनीतिक प्रभाव
(2) आर्थिक प्रभाव
(3) मनोरम नगरों तथा स्मारकों का विध्वंस
(4) भारत पर भावी आक्रमण की पृष्ठभूमि तैयार
(5) भारत पर आक्रमण
(6) भारत की दुर्बलता का परिचय
(7) इस्लाम का प्रचार
(8) सैनिक और राजनीतिक शक्ति को आघात

(1) राजनीतिक प्रभाव :— सन 1021 ई. में

महमूद ने पंजाब को गजनी राज्य में सम्मिलित कर लिया। इस प्रकार उसके आक्रमणों के फलस्वरूप भारत को अपनी उत्तरी पश्चिमी - सीमान्त क्षेत्र, पंजाब सिन्ध, और मुलतान के प्रदेशों से हाथ धोना पड़ा। इन सभी को महमूद ने गजनी साम्राज्य में मिला लिया इस प्रकार ये क्षेत्र विदेशी शासन के प्रभुत्व में चले गए। इनको आधार बनाकर ही भारत पर बाद में आक्रमण हुए।

(2) आर्थिक प्रभाव :—

महमूद के आक्रमण से धन तथा जन की अपार क्षति हुई। असंख्य सैनिकों की हत्या की गई और अपार सम्पत्ति नष्ट-भ्रष्ट कर दी गई। हिन्दू मन्दिरों में शताब्दियों से संचित अपार धन को लूटकर महमूद गजनी ले गया। इस प्रकार महमूद के आक्रमणों से भारत की आर्थिक सुदृढ़ता पर आघात लगा।

(3) मनोरम नगरों तथा स्मारकों का विध्वंस →

महमूद ने पंजाब को अपने साम्राज्य में सम्मिलित करके भारत के भावी आक्रमण की पृष्ठभूमि तैयार कर दी। आगे चलकर मुहम्मद गोरी ने इस आधार पर कि पंजाब भारतीय साम्राज्य का एक प्रान्त था उस पर आक्रमण कर दिया।

(5) भारत पर आक्रमण करने का नया द्वार खुला →

अरबों का आक्रमण एक पुराने मार्ग से हुआ था।

P.T.O.

महमूद ने एक नया मार्ग खोला और यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय विजय का उचित मार्ग यही है। भविष्य में भारत का उत्तर-पश्चिम से जितने आक्रमण हुए, वे सब इसी मार्ग से हुए और आक्रमणकारियों को भारत में स्थायी राज्य स्थापित करने में सफलता प्राप्त हुई।

⑥ भारत की दुर्बलता का परिचय :— महमूद ने भारत पर 17 बार आक्रमण किये थे, और इन सभी आक्रमणों में उसे सफलता प्राप्त हुई। महमूद की इन सफलताओं से विरोधियों को भारत की राजनीतिक दुर्बलता का पूरा परिचय मिल गया। फलतः मुसलमान विजेता भारत की ओर आकृष्ट हुए और कालान्तर में उन्होंने भारत पर विजय प्राप्त करके यहाँ पर अपना स्थायी साम्राज्य स्थापित किया।

⑦ इस्लाम पर प्रभाव :— महमूद के आक्रमणों के परिणाम-स्वरूप इस्लाम धर्म को उत्तर-पश्चिम सीमान्त से लेकर गंगा की घाटी तक पैर जमाने का अवसर मिल गया। महमूद ने अपने आक्रमणों के समय हजारों बौद्धों और हिन्दुओं को बलात् मुसलमान बनाया।

⑧ सैनिक और राजनीतिक शक्ति को आघात :— महमूद के आक्रमणों से

P.T.O.

भारत के भारत के शासकों की सैनिक और राजनीतिक शक्ति को अत्यधिक आघात पहुँचा। इन आक्रमणों में लाखों भारतीय सैनिकों को अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा काफी बड़ी संख्या में बन्दी बनाकर उन्हें अन्य देशों में भेज दिया गया। इससे भारत की सैन्य शक्ति अत्यन्त कमजोर पड़ गई। दूसरे महमूद की निरन्तर सफलताओं का भारतीय सैनिकों पर जबरदस्त मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ा और पूर्ण आत्मविश्वास तथा साहस के साथ अपनी शूरवीरता का प्रदर्शन नहीं कर पाये। तीसरे इन युद्धों में भारतीय शासकों की राजनीतिक कलह, उनकी ~~दूषित~~ दूषित रणनीति और सैन्य संचालन की दुर्बलताएँ सामने आ गई। परिणामस्वरूप महमूद के आक्रमणों के कारण भारत के कुछ हिन्दू राजवंशों का तो अंत ही हो गया और कुछ अस्तित्वविहीन हो गये।

भारती कुमारी
19-04-2021
A.I.H.&C